

**पचीस** वि. (देश.) पाँच और बीस मिलाकर बनने वाली संख्या, बीस से पाँच अधिक, अंकों में जिसे इस प्रकार लिखा जाता है 25 ।

**पचीसवाँ** वि. (देश.) गिनती में जो पचीस के स्थान पर आए, क्रम में पचीसवें स्थान पर आने वाला।

**पचीसी** स्त्री. (देश.) 1. एक ही तरह की पच्चीस वस्तुओं का संकलन या समूह यथा- 'शृंगार पचीसी', 'बेताल पचीसी' 2. किसी व्यक्ति की आयु के प्रारंभिक 25 वर्ष जैसे- पचीसी पार कर ली पर शादी नहीं की 3. एक प्रकार का खेल जो चौसर की बिसात पर खेला जाता है।

**पचूका** पुं. (देश.) पिचकारी।

**पचेल** स्त्री. (देश.) पहली नामक हाथ का आभूषण जो कि हाथ के पीछे की ओर पहना जाता है।

**पचेलिमा** वि. (तत्.) अपने आप पक जाने वाला, शीघ्र पकने वाला पुं. 1. अग्नि 2. सूर्य।

**पचेलुक** पुं. (तत्.) भोजन बनाने वाला, रसोईया, महाराज।

**पचोतर** वि. (तद्.) किसी संख्या से पाँच अधिक जैसे- एक सौ पाँच अर्थात् 105 ।

**पचोतरा** पुं. (देश.) कन्या पक्ष के पुरोहित को वर पक्ष की ओर से तिलक में मिलने वाला एक प्रकार का नेग, जिसमें उसे वर पक्ष से प्राप्त रुपयों का पाँच प्रतिशत भी दिए जाने की प्रथा रही है।

**पचौनी** स्त्री. (तद्.) 1. पाचन पाचक, पचने या पचाने की क्रिया या भाव 2. आँत, अँतड़ी अमाशय जहाँ खाए गए अन्न का पाचन होता है।

**पचौली** पुं. (देश.) गाँव का सरदार, पंच, गाँव का मुखिया स्त्री. एक प्रकार का पौधा।

**पच्चड़** पुं. (देश.) दे. पच्चर।

**पच्चर** पुं. (देश.) लकड़ी या बांस का वह छोटा टुकड़ा जिसे चारपाई या चौखट आदि के जोड़ में ठोक कर उसे कसा जाता है, इससे उस चौखट या चारपाई के छिद्र या दरारें भर जाती हैं मुहा. पच्चर अड़ाना- बाधा बनना, बाधक होना, रुकावट डालना, रुकावट खड़ी करना; पच्चर ठोकना- किसी को कष्ट पहुँचाने वाला कार्य करना या कष्ट पहुँचाने के लिए काम करना; पच्चर मारना- किसी बनते कार्य को रोकना या बनती बात बिगाड़ना।

**पच्ची** स्त्री. (तद्.) 1. पचने या पचाने की क्रिया या भाव 2. खपाने की क्रिया 3. किसी एक वस्तु को किसी दूसरी वस्तु में इस प्रकार जोड़ना कि वे एकदम समतल जम जाएँ जैसे- सोने के आभूषणों में लाख भर कर जमाना; हीरों की पच्ची सोने में करना, सीमेंट के फर्श में शीशे की पत्ती को पच्ची करना आदि मुहा. पच्ची हो जाना- एकदम मिल जाना, उसी में खप जाना या लीन हो जाना।

**पच्चीकार** पुं. (देश.) पच्ची का काम करने वाला व्यक्ति वि. पच्ची लगाने वाला।

**पच्चीकारी** स्त्री. (देश.) 1. पच्ची करने की क्रिया या भाव, जड़ने-जोड़ने की क्रिया 2. पच्ची किया हुआ कोई तैयार काम या वस्तु।

**पच्छघात** पुं. (तद्.) पक्षाघात, पक्षाघात ।

**पच्छम** पुं. (तद्.) पश्चिम।

**पच्छाघात/पक्षाघात** पुं. (देश.) एक प्रकार का वातरोग जो शरीर के बाएँ या दाएँ भाग को बेकार कर देता है।

**पच्छि** पुं. (तद्.) 1. दे. पक्षी, 1. पक्षी राज, गरुड़ 2. दे. पक्ष पुं. दे. पश्चिम।

**पच्छिम** पुं. (तद्.) दे. पश्चिम, पिछला, पीछे का आदि।

**पच्छी** पुं. (तद्.) दे. पक्षी, पक्ष लेने वाला।

**पच्छौच** पुं. (तत्.) पैरों को धोकर साफ करना, पैरों की शुद्धि।